

GUIDED POOJA SEVA



श्री गणेश पूजा विधि

Ganesh Pooja Vidhi — Complete Vidhi & Mantras

पूजा क्रम, यजमान निर्देश और संपूर्ण मंत्र-सूत्र

यह मार्गदर्शिका पूजा का हर चरण — संकल्प, मंत्र, अर्पण, आरती और प्रसाद — पूर्ण विधि-विधान सहित सरल एवं व्यवस्थित क्रम में बताती है।

1. पूजा का उद्देश्य

भगवान श्री गणेश विघ्नहर्ता, बुद्धि के दाता, सिद्धि-विनायक और मंगलमूर्ति माने जाते हैं। किसी भी शुभ कार्य से पहले उनकी पूजा करने की परंपरा है। गणेश पूजा परिवार की सुख-शांति, नए कार्य के शुभारम्भ, शिक्षा, व्यवसाय, विवाह, गृह प्रवेश और विघ्न-निवारण के लिए की जाती है।

महत्वपूर्ण: क्षेत्र, परंपरा और परिवार की मान्यता के अनुसार क्रम में छोटे अंतर हो सकते हैं। यह PDF इस पूजा के लिए व्यावहारिक और व्यवस्थित क्रम देती है।

2. पूजा से पहले तैयारी

विषय	तैयारी
स्थान	घर में स्वच्छ स्थान, पूजा चौकी/आसन, पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख रखना उत्तम।
यजमान	स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें। परिवार साथ बैठे।
प्रतिमा/चित्र	भगवान गणेश का चित्र या मूर्ति स्थापित करें। साथ में दीपक और कलश रखा जा सकता है।
वातावरण	मोबाइल, टीवी और अनावश्यक शोर कम रखें। पूजा के समय मन शांत रखें।
प्रसाद	मोदक, लड्डू, फल या घर में उपलब्ध सात्विक नैवेद्य रखें।

3. पूजा सामग्री सूची

- पूजा चौकी और स्वच्छ वस्त्र
- यजमान और परिवार के आसन
- भगवान गणेश की मूर्ति/चित्र
- कलश, जल, आम/अशोक पत्ते
- नारियल, सुपारी, सिक्का
- रोली, हल्दी, कुमकुम, चंदन
- अक्षत, पुष्प और माला
- दूर्वा घास
- धूप, दीप, कपूर, घी/तेल
- पंचामृत: दूध, दही, घी, शहद, शक्कर
- फल, मोदक, लड्डू, मिठाई
- पान, सुपारी, लौंग, इलायची
- जल पात्र, चम्मच, थाली
- दक्षिणा और आरती थाली

4. गणेश पूजा में क्या अर्पित करें?

सामग्री	पूजा में उपयोग
दूर्वा	गणेश जी को विशेष प्रिय मानी जाती है। उपलब्ध हो तो 21 दूर्वा अर्पित करें।
मोदक/लड्डू	नैवेद्य के रूप में अर्पित करें।
लाल/पीले पुष्प	ध्यान, आवाहन और पुष्पांजलि में अर्पित करें।
चंदन/कुमकुम	गंध उपचार में अर्पित करें।
नारियल	कलश स्थापना और समर्पण का प्रतीक।

5. संक्षिप्त पूजा क्रम — एक नजर में

क्रम	विधि	यजमान क्या करें
1	स्थान शुद्धि, दीप प्रज्वलन	पूजा स्थान पर बैठें, मन शांत करें।
2	आचमन और शुद्धिकरण	जल से आचमन करें, मंत्र सुनें/दोहराएं।
3	संकल्प	नाम, गोत्र, स्थान, तिथि और उद्देश्य बोलें।
4	गणेश ध्यान	हाथ जोड़कर भगवान गणेश का ध्यान करें।
5	आवाहन	पुष्प अर्पित करें।
6	कलश स्थापना	श्रद्धा से सहभाग करें।
7	षोडशोपचार पूजा	जल, चंदन, पुष्प, दूर्वा, धूप, दीप, नैवेद्य अर्पित करें।
8	मंत्र-जप और स्तुति	मंत्र बोलें या दोहराएं।
9	आरती और पुष्पांजलि	परिवार सहित आरती करें।
10	क्षमा प्रार्थना और प्रसाद	प्रणाम करें, प्रसाद ग्रहण करें।

6. विस्तृत पूजा विधि

दीप प्रज्वलन और मंगलाचरण

पूजा शुरू करने से पहले दीपक जलाएं। धूप/अगरबत्ती लगाएं। भगवान का स्मरण करें।

ॐ श्री गणेशाय नमः॥

Om Shri Ganeshaya Namah ||

आचमन और शुद्धिकरण

तीन बार आचमन करें। हाथ में जल लेकर स्वयं और पूजा सामग्री पर छिड़कें।

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा।

यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः॥

Om Apavitrah Pavitro Va Sarvavastham Gatopi Va I

Yah Smaret Pundarikaksham Sa Bahyabhyantarah Shuchih II

संकल्प

दाहिने हाथ में जल, अक्षत और पुष्प लेकर पूजा का संकल्प बोला जाता है।

संकल्प में बोलने योग्य जानकारी: यजमान का नाम, गोत्र, स्थान, तिथि और पूजा का उद्देश्य।

7. प्रमुख गणेश मंत्र

मंगलाचरण

शुक्लाम्बरधरं विष्णुं शशिवर्णं चतुर्भुजम्।

प्रसन्नवदनं ध्यायेत् सर्वविघ्नोपशान्तये॥

Shuklambaradharam Vishnum Shashivarnam Chaturbhujam।

Prasanna Vadanam Dhyayet Sarva Vighnopashantaye॥

गणेश ध्यान मंत्र

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।

निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

Vakratunda Mahakaya Suryakoti Samaprabha।

Nirvighnam Kuru Me Deva Sarva Karyeshu Sarvada॥

गणपति बीज मंत्र

ॐ गं गणपतये नमः॥

Om Gam Ganapataye Namah॥

गणेश गायत्री मंत्र

ॐ एकदन्ताय विद्महे वक्रतुण्डाय धीमहि।

तन्नो दन्तिः प्रचोदयात्॥

Om Ekadantaya Vidmahe Vakratundaya Dhimahi।

Tanno Dantih Prachodayat॥

गजानन स्तुति

गजाननं भूतगणादि सेवितं कपित्थजम्बूफलचारुभक्षणम्।

उमासुतं शोकविनाशकारणं नमामि विघ्नेश्वरपादपङ्कजम्॥

8. षोडशोपचार पूजा — 16 उपचार

भगवान गणेश की पूजा में षोडशोपचार के माध्यम से भगवान का आदरपूर्वक स्वागत, सेवा और अर्पण किया जाता है। प्रत्येक उपचार के समय सामग्री उपलब्ध न हो तो पुष्प या अक्षत अर्पित कर सकते हैं।

क्रम	उपचार	मंत्र	यजमान क्या करें
1	आवाहन भगवान गणेश को पूजा में पधारने का निवेदन	ॐ श्री गणेशाय नमः। आवाहयामि स्थापयामि॥	पुष्प लेकर भगवान के चरणों में अर्पित करें।
2	आसन	ॐ श्री गणेशाय नमः। आसनं समर्पयामि॥	अक्षत या पुष्प अर्पित करें।
3	पाद्य चरण धोने के लिए जल अर्पण	ॐ श्री गणेशाय नमः। पाद्यं समर्पयामि॥	थोड़ा जल अर्पित करें।
4	अर्घ्य सम्मानपूर्वक जल अर्पण	ॐ श्री गणेशाय नमः। अर्घ्यं समर्पयामि॥	जल पात्र से थोड़ी मात्रा अर्पित करें।
5	आचमन मुख शुद्धि हेतु जल अर्पण	ॐ श्री गणेशाय नमः। आचमनीयं समर्पयामि॥	कुछ बूंद जल अर्पित करें।
6	स्नान/अभिषेक जल या पंचामृत से स्नान	गङ्गा च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति। नर्मदे सिन्धु कावेरि जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु॥ ॐ श्री गणेशाय नमः। स्नानं समर्पयामि॥	जल या पंचामृत अर्पित करें।
7	वस्त्र वस्त्र/मौली/अंगवस्त्र अर्पण	ॐ श्री गणेशाय नमः। वस्त्रं समर्पयामि॥	वस्त्र उपलब्ध न हो तो अक्षत अर्पित करें।
8	यज्ञोपवीत जनेऊ/सूत्र अर्पित करना	ॐ श्री गणेशाय नमः। यज्ञोपवीतं समर्पयामि॥	जनेऊ या मौली अर्पित करें।
9	गंध चंदन/कुमकुम अर्पण	ॐ श्री गणेशाय नमः। गन्धं समर्पयामि॥	चंदन, हल्दी या कुमकुम अर्पित करें।
10	अक्षत अखंडता और शुभता का अर्पण	ॐ श्री गणेशाय नमः। अक्षतान् समर्पयामि॥	अक्षत भगवान के चरणों में अर्पित करें।
11	पुष्प-दूर्वा फूल और दूर्वा अर्पित करना	ॐ श्री गणेशाय नमः। पुष्पाणि दूर्वा च समर्पयामि॥	21 दूर्वा या उपलब्ध पुष्प अर्पित करें।

क्रम	उपचार	मंत्र	यजमान क्या करें
12	धूप सुगंध और पवित्रता का अर्पण	ॐ श्री गणेशाय नमः। धूपमाघ्रापयामि॥	धूप भगवान के सम्मुख घुमाएं।
13	दीप प्रकाश और ज्ञान का अर्पण	ॐ श्री गणेशाय नमः। दीपं दर्शयामि॥	दीपक भगवान के समक्ष प्रदर्शित करें।
14	नैवेद्य मोदक, लड्डू, फल और मिठाई	ॐ श्री गणेशाय नमः। नैवेद्यं निवेदयामि॥	नैवेद्य अर्पित कर कुछ जल भी अर्पित करें।
15	ताम्बूल/दक्षिणा पान, सुपारी और दक्षिणा	ॐ श्री गणेशाय नमः। ताम्बूलं दक्षिणां च समर्पयामि॥	पान-सुपारी और दक्षिणा अर्पित करें।
16	प्रदक्षिणा-नमस्कार प्रार्थना, प्रणाम और पूर्ण समर्पण	यानि कानि च पापानि जन्मान्तरकृतानि च। तानि तानि प्रणश्यन्ति प्रदक्षिणे पदे पदे॥ ॐ श्री गणेशाय नमः। प्रदक्षिणां नमस्कारान् समर्पयामि॥	तीन बार प्रदक्षिणा करें या स्थान पर नमस्कार करें।

सरल नियम: सामग्री उपलब्ध न हो तो पुष्प या अक्षत अर्पित करें। प्रत्येक उपचार के बाद श्रद्धा से "ॐ गं गणपतये नमः" का जप कर सकते हैं।

9. गणपति अथर्वशीर्ष — संक्षिप्त चयन

पूजा के दौरान या पूजा पूर्ण होने के बाद इसका पाठ किया जा सकता है। समय सीमित हो तो आप संक्षिप्त चयन का पाठ कर सकते हैं।

ॐ नमस्ते गणपतये।
त्वमेव प्रत्यक्षं तत्त्वमसि।
त्वमेव केवलं कर्ताऽसि।
त्वमेव केवलं धर्ताऽसि।
त्वमेव केवलं हर्ताऽसि।
त्वमेव सर्वं खल्विदं ब्रह्मासि।
त्वं साक्षादात्मासि नित्यम्॥

फलश्रुति — संक्षिप्त

एतदथर्वशीर्षं योऽधीते।
स ब्रह्मभूयाय कल्पते।
स सर्वविघ्नैर्न बाध्यते।
स सर्वत्र सुखमेधते॥

10. संकटनाशन गणेश स्तोत्र

प्रणम्य शिरसा देवं गौरीपुत्रं विनायकम्।
भक्तावासं स्मरेन्नित्यं आयुःकामार्थसिद्धये॥

प्रथमं वक्रतुण्डं च एकदन्तं द्वितीयकम्।
तृतीयं कृष्णापिङ्गाक्षं गजवक्त्रं चतुर्थकम्॥

लम्बोदरं पञ्चमं च षष्ठं विकटमेव च।

सप्तमं विघ्नराजं च धूम्रवर्णं तथाष्टमम्॥

नवमं भालचन्द्रं च दशमं तु विनायकम्।

एकादशं गणपतिं द्वादशं तु गजाननम्॥

11. आरती और समापन

गणेश आरती

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा।

माता जाकी पार्वती पिता महादेवा॥

एकदन्त दयावन्त चार भुजा धारी।

माथे सिंदूर सोहे मूसे की सवारी॥

अंधन को आँख देत कोढ़िन को काया।

बाँझन को पुत्र देत निर्धन को माया॥

हार चढ़े फूल चढ़े और चढ़े मेवा।

लड्डुअन का भोग लगे संत करें सेवा॥

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा।

माता जाकी पार्वती पिता महादेवा॥

पुष्पांजलि

हाथ में पुष्प और अक्षत लेकर भगवान से परिवार की शांति, सद्बुद्धि और कल्याण की प्रार्थना करें।

नाना सुगन्धि पुष्पाणि यथाकालोद्भवानि च।

पुष्पांजलिं मया दत्तां गृहाण गणनायक॥

Nana Sugandhi Pushpani Yathakalodbhavani Cha।

Pushpanjalim Maya Dattam Grihana Gananayaka॥

क्षमा प्रार्थना

मन्त्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वर।
यत्पूजितं मया देव परिपूर्णं तदस्तु मे॥

आवाहनं न जानामि न जानामि तवार्चनम्।
पूजां चैव न जानामि क्षम्यतां गणनायक॥

Mantrahinam Kriyahinam Bhaktihinam Sureshvara /
Yatpujitam Maya Deva Paripurnam Tadastu Me //

12. परिवार की भूमिकाएं

भूमिका	क्या करें
मंत्र-पाठ	स्वयं यजमान, परिवार का कोई सदस्य अथवा पुजारी — जो भी उपस्थित होकर मंत्रोच्चारण करें।
यजमान	संकल्प बोलना, अर्पण करना, आरती और प्रसाद में भाग लेना।
परिवार/भक्त	श्रद्धा से बैठना, नाम-स्मरण करना, साथ में मंत्र बोलना और प्रसाद ग्रहण करना।

13. यजमान के लिए आसान निर्देश

- पूजा शुरू होने से 15-20 मिनट पहले सामग्री व्यवस्थित रखें।
- संकल्प के लिए नाम, गोत्र और उद्देश्य पहले से तय रखें।
- पूजा के समय भगवान के सामने श्रद्धा से बैठें।
- मंत्र-पाठ के समय बातचीत और फोन का उपयोग कम रखें।
- यदि कोई सामग्री उपलब्ध न हो तो पुष्प या अक्षत से भावपूर्वक अर्पण करें।
- प्रसाद को भगवान का आशीर्वाद मानकर श्रद्धा से ग्रहण करें।

14. संकल्प फॉर्म

यजमान का नाम	
गोत्र	
परिवार के सदस्य	
स्थान	
पूजा तिथि	
पूजा का उद्देश्य	

समापन भाव

हे विघ्नहर्ता श्री गणेश! हमारे जीवन से विघ्न, भय, भ्रम और नकारात्मकता को दूर करें। हमें सद्बुद्धि, विवेक, स्वास्थ्य, समृद्धि और धर्ममार्ग पर चलने की शक्ति प्रदान करें। हमारे परिवार, समाज और समस्त प्राणियों का कल्याण हो।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
॥ मंगलं भगवान् गणेशः ॥

Prepared for Guided Pooja Seva. This guide provides the complete sequence and mantras for this pooja, to be followed together with full devotion. Recitation details may vary slightly by family and region.